फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 108 प्रभात जयपुर, गुरूवार 19 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

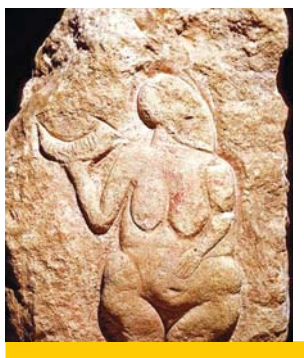
जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



Why Does a Year Have Only 12 Months?

George Washington was born on February 11, 1731 under the Julian Calendar, but afterwards recognized the date February 22, 1732 to reflect the Gregorian Calendar

Aben Ali
The African Physician Who Saved the Future King of France

एससीओ के दिल्ली सम्मेलन में पाकिस्तान को आमंत्रित करना, भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक!

आपसी संबंध व क्षेत्रीय ''डिप्लोमैसी'' को अलग-अलग रखना, परिपक्व सोच की निशानी है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के पहले ''सभ्यता संवाद मंच'' के लिए पाकिस्तान को आमंत्रित करने का भारत का फैसला एक ऐसी कूटनीतिक सोच को दर्शाता है, जो बहुपक्षीय जुड़ाव को द्विपक्षीय संबंधों की खराब स्थिति से अलग रखना चाहती है। इस्लामाबाद के साथ अपने तनावपूर्ण संबंधों को क्षेत्रीय मंचों पर अपनी भागीदारी में बाधा बनाने के बजाय, नई दिल्ली व्यापक यूरेशियाई क्षेत्र में अपने रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने पर ध्यान देती दिखाई दे रही है।

20 से 22 नवंबर तक नई दिल्ली में होने वाले इस मंच के लिए पाकिस्तान के राष्ट्रीय विरासत और संस्कृति मंत्री औरंगजेब खान खिची को आमंत्रित किया गया है। मई 2025 में पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच हुए सैन्य टकराव के बाद, किसी वरिष्ठ पाकिस्तानी मंत्री को दिया गया यह पहला ऐसा निमंत्रण है। पाकिस्तान ने इस बैठक में शामिल होने के लिए अपने जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मसूद मलिक को नामित किया है।

- **हालांकि, यह सोच कांग्रेस के नेता, पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद व कांग्रेस के ''प्रबुद्ध'' नेता मनीष तिवारी को रास नहीं आ रहा।**
- **एससीओ के दिल्ली सम्मेलन में चीन, रूस, ईरान आदि प्रमुख देश भाग ले रहे हैं। अतः भारत इस मौके पर भारत-पाक के आपसी संबंधों को गिरवी रखे, यह समझदारी पूर्ण निर्णय नहीं होता।**

इस निमंत्रण को लेकर विपक्ष ने आलोचना की है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने सवाल उठाया है कि पहलगाम हमले के बाद ऐसा क्या बदल गया है, जिसके कारण पाकिस्तान को आमंत्रित किया जा रहा है। पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने भी पाकिस्तान के प्रति सरकार की नीति की स्पष्टता पर सवाल उठाए हैं।

सीमा पार से होने वाले आतंकवाद और पाकिस्तान के रवैये में कोई सार्थक बदलाव न आने को लेकर विपक्ष की चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पहलगाम हमले में 26 लोगों की जान गई थी और यह घटना भारत की सुरक्षा संबंधी रणनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू बनी हुई है। सिंधु जल संधि को लेकर दोनों देशों के बीच चल रहा व्यापक विवाद भी अभी तक सुलझा नहीं है।

तथापि, इस निमंत्रण को इसके सही बहुपक्षीय संदर्भ में देखने की जरूरत है। भारत ने पाकिस्तान सहित एससीओ के सभी दस सदस्य देशों को इस मंच में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। किसी एक सदस्य देश को चुनकर बाहर रखने से संगठन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर सवाल उठते और पाकिस्तान को यह प्रचार करने का मौका मिलता कि नई दिल्ली क्षेत्रीय सहयोग में भाग लेने को तैयार नहीं है।

एससीओ एक महत्वपूर्ण संगठन है, जिसमें चीन और रूस जैसी प्रमुख यूरेशियाई शक्तियों सहित, भारत, ईरान, पाकिस्तान और मध्य एशिया के गणराज्य शामिल हैं। यह भारत के कूटनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंधी हितों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। इसका महत्व क्षेत्रीय संपर्क, ऊर्जा सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी प्रयासों और मध्य एशिया के देशों के साथ संबंधों तक फैला हुआ है। भारत के हित में यह नहीं है कि पाकिस्तान के साथ उसके द्विपक्षीय मतभेद उसकी क्षेत्रीय कूटनीति की सीमाओं को तय करें।

इस दृष्टिकोण में रणनीतिक आत्मविश्वास का एक महत्वपूर्ण पहलू भी शामिल है। जो देश अपनी कूटनीतिक स्थिति को लेकर आश्वस्त है, उसे केवल इसलिए किसी बहुपक्षीय मंच से दूर रहने की जरूरत नहीं है कि वहाँ कोई कठिन पड़ोसी देश भी शामिल होगा। भारत आतंकवाद, कश्मीर या अन्य द्विपक्षीय मुद्दों पर अपनी बात से पीछे हटे बिना, एक संस्थागत ढांचे के भीतर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जल जीवन मिशन में आरोपी अधिशासी अभियंता को जमानत मिली

जयपुर, 18 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने, जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में बीते फरवरी माह से न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे पीएचईडी विभाग के तत्कालीन अधिशासी अभियंता विशाल सक्सेना

- **हाई कोर्ट ने कहा कि आरोप पत्र पेश हो चुका है व कुछ को जमानत भी मिल चुकी है।**

को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस शुभा मेहता ने यह आदेश आरोपी की ओर से दायर जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि प्रकरण में आरोपी तत्कालीन मंत्री महेश जोशी सहित, अन्य को पूर्व में जमानत मिल चुकी है और प्रकरण में आरोप पत्र भी पेश हो चुका है। वहीं, केस की सुनवाई पूरी होने में भी समय लगेगा। ऐसे में आरोपी को जमानत पर रिहा करना उचित है।

गौरतलब है कि तत्कालीन अधीक्षण अभियंता मायाराम सैनी के खिलाफ एक रिपोर्ट दर्ज हुई थी, जिसकी जांच में पता चला कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन में अनियमिताएं हुई हैं। जांच के बाद इस मामले में तत्कालीन जलदाय मंत्री महेश जोशी और याचिकाकर्ता सहित, 22

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हीराबेन मोदी मंदिर बन रहा है, आंध्र प्रदेश में

जैसा कि विदित ही है, प्र.मंत्री मोदी की माँ का देहान्त तीस दिसम्बर 2022 को 99 वर्ष की आयु में हुआ था

-श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां हीराबेन का एक मंदिर बनाया जा रहा है।

भारत में राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन से जुड़ी हस्तियों को भगवान का दर्जा देने या उन्हें लगभग देवता के समान मानने की पुरानी परंपरा रही है। भक्ति की गहन परंपराओं और राजनीतिक शक्ति के साथ आत्यात्मिक श्रद्धा के मेल के कारण, अक्सर लोग अपने प्रिय नेताओं को पूजने लगते हैं। उनके समर्थक मंदिर बनवाते हैं, मूर्तियां स्थापित करते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं।

तेलंगाना के करीमनगर में सोनिया गांधी का मंदिर है। इसके अलावा जे. जयललिता, राजीव गांधी, इंदिरा गांधी और यहां तक कि नरेन्द्र मोदी के मंदिर भी उत्तर प्रदेश और गुजरात के कुछ स्थानों पर बने हुए हैं। अमिताभ बच्चन, रजनीकांत, श्रीदेवी, खुशबू सुंदर, शाहरुख खान और एन.टी. रामाराव जैसी जीवित या दिवंगत फिल्मी हस्तियों को भगवान का दर्जा देने के लिए भी मंदिर बनाए गए हैं। खबरों के अनुसार, तेलंगाना का एक किसान अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को अपना आराध्य देव मानते हुए उनका मंदिर भी बनवा रहा है। कुछ राजनीतिक नेताओं, खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, ने इस प्रकार के मंदिर बनाए जाने पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इस तरह की गतिविधियां धार्मिक परंपराओं के खिलाफ हैं।

- **सोनिया गांधी, जे. जयललिता, राजीव गांधी, इंदिरा गांधी के अलावा फिल्म स्टार्स के मंदिर बनाने की प्रथा नई नहीं है, अपने देश में।**
- **भारत के अलावा मिश्र (इजिप्ट), रोम में यह प्रथा थी, राजा-महाराजा की मृत्यु के बाद, उनके मंदिर निर्माण करने की। तथा आज भी नॉर्थ कोरिया में शासक किम-परिवार की कई ''विभूतियों'' के मंदिर बने हैं तथा बनाए जा रहे हैं।**

आंध्र प्रदेश के कुर्नूल जिले के गुडिकल गांव में हीराबेन मोदी का मंदिर बनाया जा रहा है। माता श्री मंदिरम चैरिटेबल सोसाइटी इस परियोजना का नेतृत्व कर रही है। इसी महीने की 15 तारीख को भूमि पूजन किया गया, जिसमें भाजपा विधायक पी.वी. पार्थसारथी मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम में भाजपा, जन सेना और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता शामिल हुए।

इस मंदिर परिसर में हीराबेन की संगमरमर की मूर्ति स्थापित की जाएगी, जो तैयार की जा चुकी है। इसके अलावा, भगवान शिव, राम, गणेश और दक्षिणामूर्ति के मंदिर भी बनाए जाएंगे। इस परिसर में गौशाला और अनाथालय बनाने की भी योजना है। इसके लिए दानदाताओं से धन जुटाया जा रहा है।

हीराबेन का निधन 30 दिसंबर, 2022 को 99 वर्ष की उम्र में हुआ था। आयोजकों ने इसे मातृत्व और उस महिला के सम्मान में श्रद्धांजलि बताया है, जिसने देश के एक बड़े नेता का पालन-पोषण किया। यह केन्द्र सरकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दाऊद इब्राहिम के बम्बई ऑफिस को तोड़ने बुलडोज़र पहुंचे

हालांकि, दाऊद इब्राहिम व उनके परिवार के किसी सदस्य के पास कागज़ का एक कतरा भी नहीं, इस बिल्डिंग पर उनका मालिकाना हक होने के सबूत के रुप में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। दक्षिण मुंबई की पाकमोडिया स्ट्रीट पर हाजी इस्माइल हाजी हबीब मुसाफिरखाने का निर्माण सन् 1939 के आसपास हज यात्रियों को ठहराने के लिए किया गया था। यह एक अस्थाई विश्राम स्थल था।

लेकिन पांच दशकों से अधिक समय में इस इमारत को अंदर से पूरी तरह खोखला कर दिया गया और यह फरार माफिया सरगना दाऊद इब्राहिम का प्रमुख ठिकाना बन गई।

बुधवार को मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के बुलडोज़र पहली मंजिल के आखिरी 10 कमरों और विवादित भूतल पर बने ''नमाज कक्ष'' को गिराने की तैयारी कर रहे थे। भेंडी बाजार की यह जर्जर इमारत, जिसे एक सड़क परियोजना के लिए तोड़ा जाना जरुरी है, आज भी अंडरवर्ल्ड की कहानियों से जुड़ी एक निशानी के रूप में खड़ी है।

- **पर, गत पांच दशकों से यह बिल्डिंग, दाऊद इब्राहिम के ''काम-काज'' का अड्डा बनी हुई थी।**
- **दाऊद इब्राहिम 1986 में भारत छोड़कर चला गया था, पर उसके गिरोह के अन्य सदस्यों ने इस बिल्डिंग पर अपना कब्जा बरकरार रखा।**
- **ऐसा माना जाता है कि 1993 में मुम्बई में सीरियल ब्लास्ट की योजना भी इसी बिल्डिंग में बनाई गई थी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'दो सप्ताह में रेट चेयरमैन की नियुक्ति हो जाएगी'

जयपुर, 18 नवंबर। सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण में लंबे समय से चेयरमैन पद पर नियुक्ति नहीं होने को लेकर डीओपी सचिव बुधवार को हाईकोर्ट में पेश हुईं। उन्होंने अदालत को आश्वस्त किया कि आगामी दो सप्ताह

- **हाई कोर्ट में डीओपी सचिव ने आश्वासन दिया।**

में अधिकरण में अध्यक्ष पद पर नियुक्ति कर दी जाएगी। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 21 दिसंबर को तय की है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश दिलीप कुरका व अन्य की याचिका पर दिए।

सुनवाई के दौरान, डीओपी सचिव ने अदालत को बताया कि अधिकरण में सदस्यों की नियुक्ति की जा चुकी है और अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए पत्रावली मुख्यमंत्री के समक्ष भेजी गई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साउथ कश्मीर का बड़ा अंतिम आतंकवादी, पुलिस एक्शन में मारा गया

कुलगाम के एसएसपी इनायत अली के अनुसार, आतंकवादी लतीफ के घिर जाने के बाद, उससे एसएसपी ने काफी देर बात की और आत्मसमर्पण की राय दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान, एक मस्जिद में छिपे लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी मोहम्मद लतीफ भट को मार गिराया गया है।

यह अभियान खुफिया जानकारी के आधार पर लतीफ भट की तलाश के लिए चलाया गया था। उस पर जिले में 11 नवंबर को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों पर हुए हमले में शामिल होने का आरोप था।

बुधवार तड़के जम्मू-कश्मीर पुलिस को इलाके में लतीफ भट की मौजूदगी के बारे में पुख्ता खुफिया जानकारी मिली, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई। पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी की और उसे मार गिराने के लिए अभियान शुरू किया।

भारतीय सेना की 15वीं कोर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में पुष्टि की कि पुलिस से मिली विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, बुधवार सुबह कुलगाम के जांगलपुरा इलाके में भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने संयुक्त अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान, आतंकवादी ने एक मस्जिद के अंदर शरण ले ली। इस स्थिति में धार्मिक स्थल की पवित्रता बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों ने संयम बरता।

अंततः सुरक्षा बलों ने उसे मस्जिद परिसर से बाहर आने के लिए मजबूर किया और सटीक कार्रवाई करते हुए मार गिराया। सुरक्षा बलों के अनुसार, अभियान इस समय भी जारी है।

कुलगाम के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनायत अली ने बताया कि स्थिति बिगड़ने से पहले, सुरक्षा बलों ने लतीफ भट को आत्मसमर्पण करने के लिए समझाने के काफी प्रयास किए थे।

इस अभियान के बारे में जानकारी देते हुए अली ने कहा, ''यह मुठभेड़ जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिली पुख्ता एवं विश्वसनीय सूचना के आधार पर शुरू की गई। पूरी योजना बनाने और सभी सुरक्षा बलों के साथ मिलकर तालमेल से काम करने के बाद, आज

- **पर, लंबी बातचीत के बाद भी लतीफ ने पुलिस पर गोलीबारी बंद नहीं की तथा एक मस्जिद में प्रवेश कर, अंतिम बार प्रातः 2:45 पर पुलिस पर फायरिंग की, तदोपरांत, पुलिस ने पूरा एतियात बरतते हुए उस पर फायरिंग की और लतीफ इस फायरिंग में मारा गया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहारः ज्वेलरी शोरुम से 40 करोड़ रु. के आभूषण लूटे

बेतिया, 18 नवंबर। बिहार के पश्चिम चंपारण जिला मुख्यालय बेतिया में बुधवार को हथियारबंद अपराधियों ने दिनदहाड़े बड़ी लूट की वारदात को अंजाम देकर पुलिस को चुनौती दी। कालीबाग थाना क्षेत्र के सुप्रिया रोड स्थित सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स शोरूम में तीन बाइकों से पहुंचे आठ अपराधियों ने हथियारों के बल पर कर्मचारियों और ग्राहकों को बंधक बना लिया। इसके बाद शोरूम में रखे सोने और हीरे के आभूषण बैग में भरकर फरार हो गए। शोरूम मालिक के अनुसार, लूटे गए आभूषणों की अनुमानित कीमत 30 से 40 करोड़ रुपये है। हालांकि, वास्तविक नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

- **बेतिया के सेनको गोल्ड एंड डायमंड शोरुम पर दिन दहाड़े आठ बदमाशों ने यह वारदात की।**

अगले कुछ दिन चीन के शहर शेनझेन में चीन, रूस व अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प की मुलाकातें काफी रोचक रहेंगी

आपसी हँसी-मजाक भी आंतरिक मतभेदों को शायद पूरी तरह ढक नहीं पाएगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। अगले कुछ दिनों तक चीन के शहर शेनझेन में दुनिया की तीन सबसे बड़ी ताकतों के बीच एक अहम कूटनीतिक मुकाबला देखने को मिलेगा। जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इस टैक्नॉलजी शहर के हवाई अड्डे पर पहुंचे, तो उनका ध्यान खींचने के लिए चीन और रूस दोनों में होड़ लग गई।

अगर ये तीनों देश आज के कुछ ज्वलंत मुद्दों पर किसी सहमति पर पहुँचते हैं तो उनके लिए अपनी ताकत और प्रभाव दिखाने का यह अच्छा अवसर हो सकता है। लेकिन अगर उनकी यह सहमति दूसरे छोटे देशों के आपसी मतभेदों और संघर्षों को सुलझाने में दखल देने की कोशिश करती है, तो यह गंभीर चिंता का विषय होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का हवाई अड्डे पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने खुद स्वागत किया। चीन की परंपराओं के अनुसार, ऐसा बहुत कम होता है। यह कदम इतना असाधारण था कि चीनी राष्ट्रपति कार्यालय को यह स्पष्टीकरण देना पड़ा कि ट्रंप को यह विशेष सम्मान क्यों दिया गया।

शी जिनपिंग ने कहा कि जब वे हाल ही में वाशिंगटन गए थे, तब डॉनल्ड ट्रंप ने भी उनके साथ ऐसा ही शिष्टाचार दिखाया था। ट्रंप ने एंड्रयूज एयरबेस पर स्वयं उनका स्वागत किया था।

लेकिन इन हालात के बीच एक बेहद संवेदनशील सवाल यह भी है कि क्या एनवीडिया के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनसन हुआंग की जासूसी और उन्हें प्रेमजाल में फंसाने का मुद्दा बातचीत के दौरान उठेगा? कहा जा रहा है कि एलिस हुआंग ने जेनसन हुआंग को अपने जाल में फंसाकर उनसे आर्टिफिशल इंटैलिजैंस (ए.आई.) के क्षेत्र की संवेदनशील तकनीक और चिप्स हासिल कर लिए।

- **एक संवेदनशील मुद्दा होगा चीन की सुंदर महिला जासूसों द्वारा, अमेरिकी कॉरपोरेट महारथियों से जानकारियाँ व कम्प्यूटर में काम आने वाले आधुनिकतम ''चिप्स'' की चोरी करना और अपने देश को भेजना।**
- **ट्रंप, शायद इस मुद्दे का मजबूती से पीछा नहीं करेंगे, क्योंकि, जैसा अभी तक देखा गया है, वे चीन के राष्ट्रपति का रूबरू सामना करने से कतराते हैं।**
- **इसके अलावा चीन व रूस द्वारा ईरान को दी गई मदद और समर्थन भी कुछ अटपटी स्थिति पैदा कर सकता है।**
- **पर, ज्यादा गरमा-गरमी होने की संभावना नहीं है, क्योंकि, तीनों देशों, रूस-चीन व अमेरिका का अपना-अपना अलग एजेंडा भी है और तीनों देश इन एजेंडों से वाकिफ हैं तथा इन्हें बातचीत व मेलमिलाप में बाधा नहीं मानते।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वॉयजर 1 ने 49 साल में 26 अरब किलोमीटर की दूरी तय की

केप कैनावेरल, 18 नवंबर। नासा के वॉयजर 1 यान ने अंतरिक्ष में एक नया कीर्तिमान बनाया है। यह पृथ्वी से एक प्रकाश-दिवस की दूरी तक पहुंचने वाला पहला मानव निर्मित यान बन चुका है। यह यान लगातार अंतरतारकीय अंतरिक्ष में गहराई तक जा रहा है। करीब 49 साल पहले छोड़ा गया यह अंतरिक्ष यान 26 अरब किलोमीटर से अधिक की अविश्वसनीय दूरी तय कर चुका है। बुधवार को वॉयजर 1 ने महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। अब इसके रेडियो संकेत पृथ्वी तक पहुंचने में ठीक 24 घंटे लेंगे। प्रकाश की गति से यात्रा करते हुए यह एक प्रकाश-दिवस की दूरी है।

- **यह दूरी इतनी है कि पृथ्वी से भेजा रेडियो संदेश यान तक पहुँचने में 24 घंटे लगेंगे।**